03 / 08 / 75 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

अपने शिव शक्ति व पांडव स्वरुप का अनुभव

➢➢ मैं कल्याणकारी बाप का कल्याणकारी बच्चा हूँ...

➳_ ➳ मैं योगी तू आत्मा हूँ..

➳_ ➳ हर कर्म योग युक्त स्थिति में कर रही हूँ...

➳_ ➳ समय प्रमाण मेरे हर संकल्प, बोल व कर्म युक्ति युक्त हैं..

→ योग युक्त और युक्ति युक्त संकल्प वाणी और कर्म से मैं आत्मा संपन्न व सम्पूर्ण बनती जा रही हूँ...

- मेरे आसपास का वातावरण भी योग युक्त व युक्ति युक्त बन रहा है...
- मैं रूहानी योद्धा हूँ...
- माया से मेरी युद्ध है...
- मैं युद्ध के मैदान में हूँ..
- सर्व शक्तियों के अस्त्र शस्त्रों से मैं सुसज्जित हूँ..
  - मैं दुनिया के टेंशन के वातावरण से अप्रभावित हूँ..
  - ईश्वरीय याद की यात्रा में मगन हूँ...

➢➢ मैं ज्ञानी तू आत्मा हूँ..

➳_ ➳ मैं आत्मा बाप समान हूँ...

➳_ ➳ मैं बाप स्वरुप मास्टर बन रही हूँ...

→ मैं आत्मा निश्चय बुद्धि हूँ..

→ सभी बातो में मुझे निश्चय है...

- मैं समय प्रमाण वातावरण को पावरफुल बना रही हूँ...
- संपर्क की आत्माओं को उमंग उत्साह दिला रही हूँ...
- रूहानी स्नेह से आत्माओं की पालना कर रही हूँ...
- विशेष रीति से वातावरण को याद की यात्रा से पावरफुल बना रही हूँ...

➢➢ मैं कर्म योगी आत्मा हूँ..

➳_ ➳ मैं न्यारी और प्यारी आत्मा हूँ...

➳_ ➳ साक्षी स्थिति में स्थित हो हर समस्या का सामना कर रही हूँ...

➳_ ➳ याद का बल, योग बल स्वयं में जमा कर रही हूँ...

→ मैं स्व राज्य अधिकारी आत्मा हूँ...

→ मैं आत्मा राजा हूँ...

→ कोई भी आकर्षण, कर्म भोग या कर्म इन्द्रियों के अधीन नहीं हो सकती...

→ मैं स्वमान की सीट पर स्थित हूँ...

→ मैं आत्मा राजा अपने राज सिंहासन पर स्थित हूँ..

- सीट पर स्थित हो सभी कर्मेन्द्रियों को ऑर्डर प्रमाण चला रही हूँ...
- और यह मेरा नेचुरल स्वभाव बन रहा है...
- मैं निरंतर अधिकारीपन की स्थिति में स्थित हूँ...
  - योग लगाने का संकल्प करते ही मैं आत्मा योग युक्त हो रही हूँ...
  - बाबा कहते ही बाबा की लगन में मगन हो रही हूँ...
  - मैं आत्मा चरों ही सब्जेक्ट में पास विद ऑनर बन रही हूँ....
  - हर सब्जेक्ट में अपने मार्क्स जमा कर रही हूँ...

➢➢ मैं सफलता मूर्त आत्मा हूँ..

➳_ ➳ मेरे हर कर्म में सफलता समाई हुई है..

→ हर कर्म में सफलता पहले से ही नूंध है...

- स्वयं भगवान् मुझे सफलता मूर्त भव का वरदान दे रहे हैं.
  - मैं आत्मा इसका स्वरुप बन रही हूँ...